

**SUBJECT NAME HISTORY****SUBJECT CODE 027****(Q.P. CODE 61-2-1)****Marking Scheme –Hindi medium****Strictly Confidential****(For Internal and Restricted use only)****Senior Secondary School Certificate Examination, 2026****सामान्य निर्देश:-**

<b>1</b>	सीबीएसई ने 2026 की परीक्षा से कक्षा XII की उत्तर पुस्तिका के मूल्यांकन के लिए ऑन स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) शुरू करने का निर्णय लिया है।
<b>2</b>	आप जानते हैं कि उम्मीदवारों के वास्तविक और सही आकलन में मूल्यांकन सबसे महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी सी गलती भी गंभीर समस्याओं को जन्म दे सकती है, जिससे उम्मीदवारों, शिक्षा प्रणाली और शिक्षण पेशे के भविष्य पर गहरा असर पड़ सकता है। गलतियों से बचने के लिए, आपसे अनुरोध है कि मूल्यांकन शुरू करने से पहले, मौके पर किए गए मूल्यांकन के दिशानिर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें और समझें।
<b>3</b>	“मूल्यांकन नीति एक गोपनीय नीति है क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं, किए गए मूल्यांकन और कई अन्य पहलुओं की गोपनीयता से संबंधित है। किसी भी तरह से इसका सार्वजनिक होना परीक्षा प्रणाली को बाधित कर सकता है और लाखों उम्मीदवारों के जीवन और भविष्य को प्रभावित कर सकता है। इस नीति/दस्तावेज़ को किसी के साथ साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापना बोर्ड के विभिन्न नियमों और आईपीसी के तहत कार्रवाई को आमंत्रित कर सकता है।”
<b>4</b>	मूल्यांकन अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया जाना चाहिए। यह किसी की व्यक्तिगत व्याख्या या अन्य किसी विचार के आधार पर नहीं किया जाना चाहिए। अंकन योजना का कड़ाई से पालन किया जाना चाहिए। हालांकि, मूल्यांकन करते समय, नवीनतम जानकारी या ज्ञान पर आधारित और/या नवीन उत्तरों की शुद्धता का अलग से मूल्यांकन किया जा सकता है और उन्हें उचित अंक दिए जा सकते हैं। कक्षा XII में, दो योग्यता-आधारित प्रश्नों का मूल्यांकन करते समय, कृपया दिए गए उत्तर को समझने का प्रयास करें और यदि उत्तर अंकन योजना के अनुसार नहीं है, लेकिन उम्मीदवार द्वारा सही योग्यता का उल्लेख किया गया है, तो उचित अंक दिए जाने चाहिए।
<b>5</b>	अंकन योजना में उत्तरों के लिए केवल सुझाए गए अंक दिए गए हैं।

	ये केवल दिशानिर्देश हैं और पूर्ण उत्तर नहीं हैं। छात्र अपनी अभिव्यक्ति दे सकते हैं और यदि अभिव्यक्ति सही है, तो तदनुसार अंक दिए जाने चाहिए।
<b>6</b>	मुख्य परीक्षक को पहले दिन प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता द्वारा मूल्यांकित की गई पहली पाँच उत्तर पुस्तिकाओं की जाँच करनी चाहिए, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि मूल्यांकन अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया गया है। यदि कोई भिन्नता पाई जाती है, तो विचार-विमर्श और चर्चा के बाद उसे शून्य कर दिया जाना चाहिए। शेष उत्तर पुस्तिकाएँ, जिनका मूल्यांकन किया जाना है, तभी दी जाएँगी जब यह सुनिश्चित हो जाए कि प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता के अंकन में कोई महत्वपूर्ण भिन्नता नहीं है।
<b>7</b>	मूल्यांकनकर्ता सही उत्तरों पर (✓) चिह्न लगाएंगे। गलत उत्तरों पर 'X' का निशान लगाया जाएगा। मूल्यांकन करते समय मूल्यांकनकर्ता सही (✓) चिह्न नहीं लगाएंगे, जिससे यह आभास होगा कि उत्तर सही है और कोई अंक नहीं दिए जाएंगे। यह मूल्यांकनकर्ताओं द्वारा की जाने वाली सबसे आम गलती है।
<b>8</b>	यदि किसी प्रश्न के कई भाग हैं, तो कृपया प्रत्येक भाग के लिए OSM पोर्टल में दाईं ओर अंक दें। प्रश्न के विभिन्न भागों के लिए दिए गए अंकों को OSM सिस्टम द्वारा कुल मिलाकर जोड़ा जाएगा।
<b>9</b>	यदि किसी प्रश्न के कोई भाग नहीं हैं, तो OSM पोर्टल में बाईं ओर के हाशिये में अंक दिए जाने चाहिए। इसका सख्ती से पालन किया जाना चाहिए।
<b>10</b>	किसी त्रुटि के संचयी प्रभाव के लिए कोई अंक नहीं काटे जाएंगे। इसके लिए केवल एक बार ही दंड दिया जाना चाहिए।
<b>11</b>	उत्तर के लिए पूर्ण अंक प्रणाली 80 (उदाहरण के लिए प्रश्न पत्र में दिए गए 0 से 80/70/60/50/40/30 अंक) का उपयोग किया जाना है। यदि उत्तर उचित हो तो पूर्ण अंक देने में संकोच न करें।
<b>12</b>	प्रत्येक परीक्षक को अनिवार्य रूप से पूरे कार्य समय यानी प्रतिदिन 8 घंटे मूल्यांकन कार्य करना होगा और मुख्य विषयों में प्रतिदिन 20 उत्तर पुस्तिकाओं और अन्य विषयों में प्रतिदिन 25 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करना होगा (विवरण स्पॉट दिशानिर्देशों में दिया गया है)। यह कम किए गए पाठ्यक्रम और प्रश्नपत्र में प्रश्नों की संख्या को ध्यान में रखते हुए किया गया है।
<b>13</b>	सुनिश्चित करें कि आप परीक्षक द्वारा अतीत में की गई निम्नलिखित सामान्य त्रुटियों को न दोहराएँ:

	<p>● उत्तरों को सही चिह्नित करना, लेकिन अंक न देना। (सुनिश्चित करें कि सही निशान स्पष्ट रूप से लगा हो। यह केवल एक रेखा होनी चाहिए। गलत उत्तर के लिए X का निशान भी ऐसा ही होना चाहिए।)</p> <p>उत्तर का आधा या आंशिक भाग सही और शेष गलत चिह्नित करना, लेकिन अंक न देना।</p>
14	उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते समय यदि उत्तर पूरी तरह से गलत पाया जाता है, तो उसे क्रॉस (X) के रूप में चिह्नित किया जाना चाहिए और शून्य (0) अंक दिए जाने चाहिए।
15	वास्तविक मूल्यांकन शुरू करने से पहले परीक्षकों को "मौके पर मूल्यांकन के लिए दिशानिर्देश" में दिए गए दिशा-निर्देशों से स्वयं को परिचित कर लेना चाहिए।
16	निर्धारित प्रोसेसिंग शुल्क का भुगतान करने पर उम्मीदवारों को अनुरोध पर उत्तर पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त करने का अधिकार है। सभी परीक्षकों/अतिरिक्त मुख्य परीक्षकों/मुख्य परीक्षकों को एक बार फिर याद दिलाया जाता है कि उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि मूल्यांकन अंकन योजना में दिए गए प्रत्येक उत्तर के लिए निर्धारित अंकों के अनुसार ही किया जाए।
17	अगर कोई कैंडिडेट किसी सवाल में दोनों ऑप्शन आजमाता है, जहाँ सिर्फ एक ऑप्शन आजमाना ज़रूरी है, तो इवैल्यूएटर दोनों ऑप्शन में मार्क्स देगा। सिस्टम दो में से ज़्यादा वाला स्कोर लेगा और दूसरे जवाब को नज़रअंदाज़ कर देगा।
18	दो विकल्पों वाले प्रश्न में, यदि उम्मीदवार ने केवल एक का प्रयास किया है, तो मूल्यांकनकर्ता उस विकल्प के सामने "एनए" (प्रयास नहीं किया गया) चिह्नित करेगा जिसका उम्मीदवार द्वारा प्रयास नहीं किया गया है।

**अंक योजना**  
**इतिहास (विषय कोड-027)**  
**(पेपर कोड : 61/2/1) (12-02-27N)**

नोट: अंक योजना में उल्लिखित पृष्ठ संख्याएं नवीनतम एन सी ई आर टी ई-पुस्तक से ली गई हैं।

प्र.सं.	अपेक्षित परिणाम/मूल्य बिंदु	पृष्ठ संख्या	अंक
	<b>खंड- क</b> (बहुविकल्पीय प्रकार के प्रश्न)		21x1= 21
1.	(D) कुषाण शासकों ने	44	1
2.	(B) चार वर्णों के बीच विवाह संबंधों पर रोक लगाई।	63	1
3.	(A) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या करता है।	89	1
4.	(A) (i) (ii) (iii) सही हैं।	91	1
5.	(C) (a) (ii), (b) (iv), (c) (i), (d) (iii)	32	1
6.	(C) एकलव्य ने द्रोण को अपना दाहिना अंगूठा गुरु दक्षिणा में दिया।	62	1
7.	(B) महाबलीपुरम की मूर्ति	109	1
	(C) (तमिलनाडु) दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए	108	1
8.	(C) इब्न-बतूता	118	1
9.	(D) I, III और IV सही हैं	143	1
10.	(D) II,I,IV,III	173	1
11.	(D) शेख निजामुद्दीन औलिया	153	1
12.	(A) अहोम	210	1
13.	(D) मार्को पोलो-इटली	137	1
14.	(D) सिंचाई के लिए ट्यूबवेल की उपलब्धता	198	1

15.	(A) पहाड़ी लोग विस्थापित हो ऊपरी पहाड़ियों पर चले गए	239	1
16.	(B) (I), (II), (IV), (III)	289	1
17.	(C) वेलेस्ली - पाश्चात्य शिक्षा	265	1
18.	(B) हो - ची - मिन्ह	286	1
19.	(D) केवल (I) और (II) सही हैं	262	1
20.	(C) सरदार पटेल	320	1
21.	(B) फ्रांसिस बुकानन	236	1
	<b>खंड - ख</b> <b>(लघु उत्तरीय प्रकार के प्रश्न)</b>		<b>6 × 3 = 18</b>
22.	<p>(a) बुद्ध को ज्ञान की प्राप्ति कैसे हुई? स्पष्ट कीजिये।</p> <p>(I) बुद्ध की बाहरी दुनिया की यात्रा बहुत पीड़ादायक थी। जब उन्होंने एक बूढ़े आदमी, एक बीमार आदमी और एक लाश को देखा तो उन्हें बहुत दुख हुआ।</p> <p>(II) उस पल उन्हें एहसास हुआ कि इंसानी शरीर का क्षय और अंत तय है।</p> <p>(III) उन्होंने एक गृहत्याग किये सन्यासी को देखा, जो उन्हें ऐसा लगा कि बुढ़ापे, बीमारी और मृत्यु को स्वीकार कर चुका था और उसे शांति मिल गई थी।</p> <p>(IV) इसके तुरंत बाद, उन्होंने महल छोड़ दिया और अपने सत्य की तलाश में निकल पड़े। सिद्धार्थ ने कई रास्ते अपनाए, जिसमें शरीर को अत्यधिक कष्ट देना भी शामिल था, जिससे वह मृत्यु के करीब पहुँच गए।</p> <p>(V) इन मुश्किल तरीकों को छोड़कर, उन्होंने कई दिनों तक ध्यान किया और आखिर में ज्ञान प्राप्त किया। इसके बाद उन्हें बुद्ध या ज्ञानी के नाम से जाना जाने लगा।</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु</li> <li>• किन्हीं तीन बिंदुओं का मूल्यांकन</li> </ul>	90	3x1=3

	<p style="text-align: center;"><b>अथवा</b></p> <p>(b) साँची की मूर्तिकला को समझने में बौद्ध साहित्य कैसे सहायक है ? स्पष्ट कीजिए।</p> <p>(I) वेसान्तर जातक एक उदार राजकुमार की कहानी है जिसने अपना सब कुछ एक ब्राह्मण को दे दिया और अपनी पत्नी और बच्चों के साथ जंगल में रहने चला गया।</p> <p>(II) पवित्र कहानियों के अनुसार, बुद्ध को एक पेड़ के नीचे ध्यान करते हुए ज्ञान प्राप्त हुआ था।</p> <p>(III) रिक्त स्थान बुद्ध के ध्यान की दशा को दिखाने के लिए थी और स्तूप महापरिनिब्बान को दिखाने के लिए था।</p> <p>(IV) चक्र, बुद्ध के सारनाथ में दिए गए पहले उपदेश को दर्शाता है।</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु</li> <li>• किन्हीं तीन बिंदुओं का मूल्यांकन</li> </ul>	99-101	3x1=3
23.	<p>कौरवों और पांडवों के बीच संघर्ष के कारणों का विश्लेषण कीजिये, जिसके परिणामस्वरूप महाभारत का युद्ध हुआ।</p> <p>(I) दो चचेरे भाइयों के बीच ज़मीन और सत्ता को लेकर संघर्ष हुआ।</p> <p>(II) वे एक ही शासक परिवार से थे।</p> <p>(III) लोग पांडवों के शासन को प्राथमिकता देते थे</p> <p>(IV) इससे कुरु राजकुमार दुर्योधन क्रोधित हो गया।</p> <p>(V) इसका अंतिम परिणाम युद्ध हुआ।</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु</li> <li>• किन्हीं तीन बिंदुओं का मूल्यांकन</li> </ul>	55	3x1=3
24.	<p>मुगल सम्राटों द्वारा नियमित शिकार अभियान क्यों चलाये जाते थे? स्पष्ट कीजिए।</p> <p>(I) शिकार करना राजा की अपने सभी प्रजाजनों, यहाँ तक कि जंगलों में रहने वालों से भी सरोकार का प्रतीक था।</p> <p>(II) नियमित अभियानों से सम्राट को अपने शासन क्षेत्र को समझने और जानने में भी सहायता मिलती थी।</p>	209	3x1=3

	<p>(III) इसे सद्भावनापूर्ण शासन का प्रतीक माना जाता है।</p> <p>(IV) शिकार करना राज्य की अपने सभी प्रजाजनों, धनी और गरीब, से संबंध रखने की प्रबल सरोकार का प्रतीक था।</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु</li> <li>• किन्हीं तीन बिंदुओं का मूल्यांकन</li> </ul>		
25.	<p><b>सिख धर्म में गुरु गोबिंद सिंहजी की भूमिका की परख कीजिये।</b></p> <p>(I) गुरु गोबिंद सिंह ने नौवें गुरु, गुरु तेग बहादुर की रचनाओं को शामिल किया और इस ग्रंथ को गुरु ग्रंथ साहिब कहा गया।</p> <p>(II) गुरु गोबिंद सिंह सिखों को एक ताकतवर सेना के रूप में संगठित करना चाहते थे। गुरु गोबिंद सिंह ने खालसा पंथ (पवित्र लोगों की सेना) की नींव रखी।</p> <p>(III) उन्होंने अपने सिखों को एक अनोखा रूप दिया। उन्होंने इसके पाँच प्रतीक बताए: बिना कटे केश , एक कृपाण, कच्छ, एक कंधा और एक लोहे का कड़ा।</p> <p>(IV) उनके नेतृत्व में समुदाय एक सामाजिक-धार्मिक और सैन्य शक्ति के रूप में मजबूत हुआ।</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु</li> <li>• किन्हीं तीन बिंदुओं का मूल्यांकन</li> </ul>	163	3x1=3
26.	<p><b>“चरखे के साथ महात्मा गांधीजी भारतीय राष्ट्रवाद की सर्वाधिक स्थायी पहचान बन गए।” इस कथन व्याख्या उदाहरणों सहित कीजिए।</b></p> <p>(I) गांधीजी नहीं चाहते थे कि लोगों में मशीनों के प्रति दीवानगी हो।</p> <p>(II) मशीनें श्रम शक्ति का स्थान ले लेंगी।</p> <p>(III) ऐसी स्थिति में गरीब लोग बेरोजगार हो जाएंगे और उन्हें भूखा रहना पड़ेगा।</p> <p>(IV) गरीबों को भुखमरी से बचाने के लिए गांधीजी तकनीक नहीं चाहते थे।</p> <p>(V) वे दिन का कुछ समय चरखे पर काम करते थे और अन्य राष्ट्रवादियों को भी ऐसा करने के लिए प्रोत्साहित करते थे।</p> <p>(VI) उनका मानना था कि कताई करने से पारंपरिक जाति व्यवस्था में मौजूद मानसिक श्रम और शारीरिक श्रम के बीच की सीमाएं टूट जाएंगी।</p>	292	3x1=3

	<ul style="list-style-type: none"> <li>• कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु</li> <li>• किन्हीं तीन बिंदुओं का मूल्यांकन</li> </ul>		
27.	<p>(a) 1857 के विद्रोह के पहले दिन (10 मई) को मेरठ में घटित घटनाओं की व्याख्या कीजिए।</p> <p>(I) 10 मई 1857 को मेरठ छावनी में सिपाहियों ने विद्रोह कर दिया।</p> <p>(II) शहर और गांवों के आम लोग उनके साथ जुड़ गए।</p> <p>(III) सिपाहियों ने हथियार और गोला-बारूद पर कब्जा कर लिया।</p> <p>(IV) उन्होंने बंगलों और दूसरी सरकारी संपत्तियों में तोड़फोड़ की और आग लगा दी।</p> <p>(V) उन्होंने रिकॉर्ड ऑफिस, जेल कोर्ट, पोस्ट ऑफिस और ट्रेजरी वगैरह पर हमला किया।</p> <p>(VI) दिल्ली जाने वाली टेलीग्राफ लाइन काट दी गई।</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु</li> <li>• किन्हीं तीन बिंदुओं का मूल्यांकन</li> </ul> <p style="text-align: center;"><b>अथवा</b></p> <p>(b) 1857 के विद्रोह के 11 मई को दिल्ली के लाल किले में घटित घटनाओं की व्याख्या कीजिए।</p> <p>(I) 11 मई की सुबह तड़के सिपाहियों का एक समूह लाल किले पर पहुँचा और सम्राट के चारों ओर जमा हो गया।</p> <p>(II) उन्होंने दरबारी शिष्टाचार का पालन नहीं किया।</p> <p>(III) उन्होंने सम्राट को बताया कि उन्होंने बड़ी संख्या में यूरोपीय लोगों को मार डाला है।</p> <p>(IV) उन्होंने सम्राट से संघर्ष के लिए आशीर्वाद देने की मांग की।</p> <p>(V) सम्राट के पास उनकी बात मानने के अलावा कोई विकल्प नहीं था।</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु</li> <li>• किन्हीं तीन बिंदुओं का मूल्यांकन</li> </ul>	258	3x1=3
		258	3x1=3
	<b>खंड - ग</b> <b>(दीर्घ उत्तरीय प्रकार के प्रश्न)</b>		3 × 8 = 24

28.	<p>(a) मोहनजोदड़ो के शहरी केंद्रों की स्थापत्य-कला की विशिष्ट विशेषताओं की परख कीजिए।</p> <p>(I) हड़प्पा सभ्यता की सबसे अनूठी विशेषता शहरी केंद्रों का विकास था।</p> <p>(II) मोहनजोदड़ो उस समय का सबसे महत्वपूर्ण शहरी केंद्र था।</p> <p>(III) हालांकि, सबसे पहले खोजा गया स्थल हड़प्पा था।</p> <p>(IV) बस्तियों को दो भागों में विभाजित किया गया था - निचला शहर और दुर्ग।</p> <p>(V) निचले शहर को दीवार से घेरा गया था और चबूतरे पर कई इमारतें बनी हुई थीं।</p> <p>(VI) दुर्ग ऊपरी भाग था। चबूतरे बन जाने के बाद, शहर के भीतर सभी निर्माण कार्य चबूतरे पर एक निश्चित क्षेत्र तक ही सीमित कर दिए गए थे। इसलिए ऐसा लगता है कि बस्ती की पहले योजना बनाई गई और फिर उसके अनुसार निर्माण किया गया।</p> <p>(VII) इन शहरों में सुनियोजित जल निकासी व्यवस्था थी।</p> <p>(VIII) सड़कें और गलियाँ गिड पद्धति में बनाई गई थीं।</p> <p>(IX) प्रत्येक घर में अपना स्नानघर था।</p> <p>(X) संभवतः सार्वजनिक स्नान के लिए एक विशाल आयताकार स्नानागार भी बनाया गया था।</p> <p>(XI) नियोजन के अन्य संकेतों में ईंटें शामिल हैं, जो चाहे धूप में सुखाई गई हों या पकाई गई हों, एक मानक अनुपात की थीं, जहाँ लंबाई और चौड़ाई ऊँचाई से क्रमशः चार गुना और दो गुना थीं।</p> <p>(XII) आवासीय भवन एक आंगन के चारों ओर केंद्रित थे, जिनमें चारों ओर कमरे थे।</p> <p>(XIII) वे एकांतता को महत्व देते थे: भूतल पर दीवारों में कोई खिड़कियाँ नहीं थीं।</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु</li> <li>• किन्हीं आठ बिंदुओं का मूल्यांकन</li> </ul> <p style="text-align: center;">अथवा</p> <p>(b) हड़प्पा सभ्यता के पतन के कारणों और साक्ष्यों की परख कीजिए।</p>	5-8	8x1=8
-----	--	-----	-------

	<p><b>पतन के कारण:</b></p> <p>(I) अनेक स्पष्टीकरण प्रस्तुत किए गए हैं।</p> <p>(II) जलवायु परिवर्तन ने इस सभ्यता को क्षति पहुँचाई।</p> <p>(III) वनों की कटाई एक अन्य कारण था।</p> <p>(IV) अत्यधिक बाढ़ ने सभ्यता को भारी नुकसान पहुँचाया।</p> <p>(V) नदियों का मार्ग बदलना और/या सूख जाना।</p> <p>(VI) भूमि का अत्यधिक उपयोग।</p> <p>(VII) इन सभी कारणों के संयुक्त प्रभाव से पतन हुआ होगा।</p> <p><b>प्रमाण:</b></p> <p>(VIII) प्रमाणों से पता चलता है कि 1800 ईसा पूर्व तक अधिकांश परिपक्व हड़प्पा स्थल परित्यक्त हो चुके थे।</p> <p>(IX) सभ्यता की विशिष्ट कलाकृतियों के लुप्त होने के प्रमाण।</p> <p>(X) बाट, मुहरें, मनके, व्यापार सब लुप्त हो गए।</p> <p>(XI) मकान निर्माण तकनीकें बिगड़ गईं।</p> <p>(XII) लिपि और मृदभांड का लुप्त होना।</p> <p>(XIII) शहरों का पतन और परित्याग।</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु</li> <li>• किन्हीं आठ बिंदुओं का मूल्यांकन</li> </ul>	17	4+4=8
29.	<p>(a) “कृष्णदेव राय के शासनकाल में विजयनगर अतुलनीय शांति और समृद्धि की स्थितियों में फला-फूला, परन्तु उनकी मृत्यु के पश्चात विजयनगर का पतन हुआ।” इस की व्याख्या उदाहरणों सहित कीजिए।</p> <p>(I) कृष्णदेव राय एक कुशल और शक्तिशाली शासक थे।</p> <p>(II) उनके शासनकाल में विस्तार और सुदृढीकरण का बोलबाला रहा। उन्होंने 1512 में तुंगभद्रा और कृष्णा नदियों के बीच स्थित भूमि (रायचूर दोआब) पर विजय प्राप्त की। 1514 में उन्होंने उड़ीसा के शासकों को अपने अधीन कर लिया और 1520 में बीजापुर के सुल्तान को करारी हार दी।</p> <p>(III) उन्हें कुछ उत्कृष्ट मंदिरों के निर्माण और दक्षिण भारत के कई महत्वपूर्ण मंदिरों में भव्य गोपुरम बनवाने का श्रेय दिया जाता है।</p>	173	8x1=8

	<p>(IV) उन्होंने अपनी माता के नाम पर विजयनगर के पास नगलपुरम नामक एक उपनगर की स्थापना भी की।</p> <p>(V) उनके वंशज कुशल और शक्तिशाली नहीं थे।</p> <p>(VI) उनके उत्तराधिकारियों को विद्रोही नायकों से चुनौती का सामना करना पड़ा।</p> <p>(VII) 1542 तक केंद्र का नियंत्रण अराविंदु के हाथों में चला गया था।</p> <p>(VIII) राम राय विजयनगर के मुख्यमंत्री थे। उन्होंने 1565 में राक्षसी तांगड़ी के युद्ध में सेना का नेतृत्व किया।</p> <p>(IX) उन्होंने बीजापुर, गोलकोंडा और अहमदनगर के सुल्तानों की संयुक्त सेनाओं के विरुद्ध युद्ध किया। संयुक्त सेनाएँ विजयी रहीं और उन्होंने विजयनगर नगर को लूट लिया।</p> <p>(X) इस प्रकार कुछ ही वर्षों में विजयनगर पूरी तरह से वीरान हो गया।</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु</li> <li>• किन्हीं आठ बिंदुओं का मूल्यांकन</li> </ul> <p style="text-align: center;"><b>अथवा</b></p> <p>(b) “मध्यकालीन भारत में विजयनगर की किलेबंदी बहुत प्रभावशाली थी।” इस कथन की व्याख्या उदाहरणों सहित किजिये।</p> <p>(I) अब्दुर रजाक शहर की किलेबंदी से प्रभावित थे।</p> <p>(II) उन्होंने किले की सात पंक्तियों का उल्लेख किया।</p> <p>(III) ये दीवारें कृषि भूमि और जंगलों को घेरे हुए थीं।</p> <p>(IV) यह एक विशाल पत्थर की संरचना थी। निर्माण में कहीं भी गारे या सीमेंट का प्रयोग नहीं किया गया था।</p> <p>(V) पत्थर के ब्लॉक फानाकर के आकार के थे, जो उन्हें अपनी जगह पर टिकाए रखते थे, और दीवारों का भीतरी भाग मलबे से भरी मिट्टी का था।</p> <p>(VI) जिन कृषि भूमि में चावल उगाया जाता था, उनकी सिंचाई तुंगभद्रा से आने वाली नहर द्वारा की जाती थी।</p> <p>(VII) कृषि भूमि की किलेबंदी का उद्देश्य मध्ययुगीन घेराबंदी के दौरान लोगों को भुखमरी से बचाना था।</p> <p>(VIII) किलेबंदी की दूसरी पंक्ति शहरी परिसर के भीतरी भाग के चारों ओर थी।</p> <p>(IX) किले में प्रवेश अच्छी तरह से सुरक्षित द्वारों से होता था।</p>	177	4+4=8
--	--	-----	-------

	<p>(X) सड़कें आम तौर पर पथरीले इलाकों से बचते हुए घाटियों से होकर घुमावदार रास्ते बनाती थीं।</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु</li> <li>• किन्हीं आठ बिंदुओं का मूल्यांकन</li> </ul>		
30.	<p>(a) भारत के संविधान की परिकल्पना को आकार देने वाली घटनाओं का वर्णन कीजिए।</p> <p>(I) संविधान बनने से ठीक पहले के वर्ष अत्यंत उथल-पुथल भरे थे। 15 अगस्त 1947 को भारत स्वतंत्र तो हो गया था, लेकिन साथ ही विभाजित भी हो गया था।</p> <p>(II) अगस्त 1946 के कलकत्ता हत्याकांड ने उत्तरी और पूर्वी भारत में लगभग पूरे वर्ष निरंतर दंगों की शुरुआत की।</p> <p>(III) भारत के विभाजन की घोषणा के साथ ही जनसंख्या स्थानांतरण के दौरान हुए नरसंहारों ने हिंसा को चरम पर पहुंचा दिया।</p> <p>(IV) लाखों शरणार्थी पलायन कर रहे थे, मुसलमान पूर्वी और पश्चिमी पाकिस्तान में, हिंदू और सिख पश्चिम बंगाल और पंजाब के पूर्वी भाग में। कई लोग अपने गंतव्य तक पहुंचने से पहले ही मर गए।</p> <p>(V) नव राष्ट्र के सामने एक और समस्या रियासतों की थी।</p> <p>(VI) इसी पृष्ठभूमि में संविधान सभा की बैठक हुई।</p> <p>(VII) जे.एल. नेहरू ने संविधान की वह परिकल्पना प्रस्तुत की जो संविधान के आदर्श का प्रतिनिधित्व करती थी।</p> <p>(VIII) इसने भारत को एक स्वतंत्र संप्रभु गणराज्य घोषित किया।</p> <p>(IX) इसने नागरिकों को न्याय, समानता और स्वतंत्रता की गारंटी दी।</p> <p>(X) इसने पिछड़े, अल्पसंख्यक और आदिवासी आदि के लिए पर्याप्त सुरक्षा प्रदान की।</p> <p>(XI) नेहरू ने अमेरिकी और फ्रांसीसी क्रांति का उल्लेख किया।</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु</li> <li>• किन्हीं आठ बिंदुओं का मूल्यांकन</li> </ul> <p style="text-align: center;"><b>अथवा</b></p> <p>(b) संविधान सभा में पृथक निर्वाचिका के विरुद्ध दिए गए तर्कों का वर्णन कीजिए।</p>	317-318, 322	8x1=8
		327-330	8x1=8

	<p>(I) पोंकर बहादुर ने अलग निर्वाचक मंडल को जारी रखने के लिए ज़ोरदार अपील की।</p> <p>(II) कई राष्ट्रवादी नेताओं ने अलग निर्वाचक मंडल के इस विचार का विरोध किया।</p> <p>(III) कई राष्ट्रवादियों ने अलग निर्वाचक मंडल को जनता को विभाजित करने का एक जानबूझकर उठाया गया कदम माना।</p> <p>(IV) धुलेकर ने अलग निर्वाचक मंडल के विचार का विरोध किया।</p> <p>(V) पटेल ने घोषणा की कि अलग निर्वाचक मंडल अल्पसंख्यकों के लिए ज़हर है।</p> <p>(VI) उन्होंने विभाजन का रक्तपात देखा था।</p> <p>(VII) पंत ने कहा कि अलग निर्वाचक मंडल न केवल राष्ट्र के लिए बल्कि अल्पसंख्यकों के लिए भी हानिकारक है।</p> <p>(VIII) उनके अनुसार, यह एक आत्मघाती मांग थी जो अल्पसंख्यकों को स्थायी रूप से अलग-थलग कर देगी, उन्हें असुरक्षित बना देगी और सरकार में उनकी प्रभावी भूमिका को छीन लेगी।</p> <p>(IX) सभी मुसलमान अलग निर्वाचक मंडल के विचार के समर्थक नहीं थे। बेगम ऐज़ास रसूल ने कहा कि अलग निर्वाचक मंडल का विचार आत्मघाती है।</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु पृष्ठ</li> <li>• किन्हीं आठ बिंदुओं का मूल्यांकन</li> </ul>		
	<p style="text-align: center;"><b>खंड – घ</b> (स्रोत-आधारित प्रश्न)</p>		3 × 4 = 12
31.	<p style="text-align: center;"><b>मालाबार तट</b> (आधुनिक केरल)</p> <p>(31.1) व्यापार के प्रसार में नदियों की भूमिका का उल्लेख कीजिए।</p> <p>(I) प्राकृतिक परिवहन मार्ग</p> <p>(II) सस्ता और कुशल परिवहन</p> <p>(III) संपर्क</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु</li> </ul>	44	1

	<p><b>(31.2) भारत और अन्य देशों के बीच बड़ी संख्या में वस्तुओं का व्यापार क्यों होता था?</b></p> <p>(I) भारत और अन्य देशों के बीच बड़ी मात्रा में वस्तुओं का व्यापार होता था क्योंकि भारत एक समृद्ध देश होने के नाते काली मिर्च, दालचीनी, कच्चा तेल, पुखराज खनिज और अन्य कई वस्तुएँ व्यापार के लिए उपलब्ध कराता था।</p> <p>(II) अन्य देशों को इन वस्तुओं की आवश्यकता थी, इसलिए व्यापार फलता-फूलता रहा।</p> <p>• कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु</p>		1
	<p><b>(31.3) कोडुमनाल में मनका बनाने के उद्योग के विकास के कारण स्पष्ट कीजिए।</b></p> <p>(I) पुरातात्विक साक्ष्यों से सिद्ध होता है कि तमिलनाडु के कोडुमनाल में बहुमूल्य और अर्ध-बहुमूल्य पत्थर पाए गए थे।</p> <p>(II) कुछ बहुमूल्य पत्थर तटवर्ती कई अन्य स्थलों से लाए गए थे।</p> <p>(III) इन पत्थरों की उपलब्धता से मनके बनाने के उद्योग की स्थापना हुई।</p> <p>• कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु</p>		2
32	<p><b>यूरोप के लिए एक चेतावनी</b></p> <p><b>(32.1) बर्नियर ने अपने यूरोपियन राजाओं को मुगल राजतन्त्र के तरीके ना अपनाने की चेतावनी क्यों दी ?</b></p> <p>(I) मुगल साम्राज्य सभ्य, सुव्यवस्थित और समृद्ध साम्राज्य होने से बहुत दूर था।</p> <p>(II) मुगल साम्राज्य में सम्राट, भिखारियों और बर्बरों का राजा था।</p> <p>• कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु</p>	132	1

	<p>(32.2) भू-स्वामित्व पर यूरोपीय और मुगलों के बीच एक अंतर स्पष्ट कीजिए ।</p> <p>(I) मुगल भारत और यूरोप के बीच मूलभूत अंतरों में से एक यह था कि मुगल भारत में भूमि पर निजी स्वामित्व नहीं था।</p> <p>(II) मुगल भारत में भूमि का स्वामी सम्राट था।</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु</li> </ul>		1
	<p>(32.3) बर्नियर के वृत्तान्त ने 18वीं सदी के बाद से पश्चिमी सिद्धांतकारों को कैसे प्रभावित किया? स्पष्ट कीजिए।</p> <p>(I) बर्नियर के वर्णनों ने अठारहवीं शताब्दी से पश्चिमी विचारकों को प्रभावित किया</p> <p>(II) फ्रांसीसी दार्शनिक मोंटेस्क्यू ने इस विवरण का उपयोग प्राच्य निरंकुशता के विचार को विकसित करने के लिए किया। उनका मानना था कि प्राच्य जगत के शासकों के पास असीमित शक्ति होती है और जनता पर उनका पूर्ण अधिकार होता है। प्रजा को अधीनता और गरीबी में रखा जाता है।</p> <p>(III) इस विचार को कार्ल मार्क्स ने उन्नीसवीं शताब्दी में एशियाई उत्पादन प्रणाली की अवधारणा के रूप में और विकसित किया।</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु</li> </ul>		2
33	<p>वनों की कटाई और स्थाई कृषि के बारे में</p> <p>(33.1) खेती के संबंध में परिदृश्य का वर्णन किस प्रकार किया गया है?</p> <p>(I) बुकानन का मत था कि राजमहल क्षेत्र के गाँव खेती के लिए उपयुक्त हैं, विशेषकर घाटियों में धान की खेती के लिए।</p> <p>(II) बिखरे हुए पेड़ों के साथ साफ की गई भूमि और चट्टानी पहाड़ियाँ अपने आप में पूर्ण थीं।</p>	245	1

	<ul style="list-style-type: none"> <li>कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु</li> </ul>		
	<p>(33.2) खेती के विस्तार के लिए किन फसलों को सुझाया गया ?</p> <p>(I) टसर, पनई, महुआ, लाख, ताड़ और पलास</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु</li> </ul>		1
	<p>(33.3) आर्थिक विकास के लिए भूमि के उपयोग हेतु बुकानन द्वारा दिए गए प्रस्ताव की व्याख्या कीजिए।</p> <p>(I) बुकानन ने कंपनी के व्यावसायिक हितों और प्रगति की आधुनिक पश्चिमी अवधारणाओं को समझा।</p> <p>(II) उनका मानना था कि जंगलों को कृषि भूमि में परिवर्तित किया जाना चाहिए।</p> <p>(III) जंगलों की जगह आसन, पलास (टसर रेशम के कीड़े) और लाख के बागान लगाए जाने चाहिए।</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु</li> </ul>		2
	<p style="text-align: center;"><b>खंड - ड</b> (मानचित्र - आधारित प्रश्न)</p>		3+2=5
34.	<p>34.1 भारत के दिए गए राजनीतिक- रेखा मानचित्र में, निम्नलिखित स्थानों को उपयुक्त चिन्हों अथवा प्रतीकों से अंकित कीजिए और उनके नाम लिखिए:</p> <p>(i) बनावली - विकसित हड़प्पा पुरास्थल</p> <p>(ii) कन्नौज- प्रारंभिक राज्यों का एक महत्वपूर्ण शहर</p> <p>(iii) (a) अजमेर - मुगलों के अधीन एक शहर</p> <p style="text-align: center;">अथवा</p> <p>(b) बीदर - एक मध्यकालीन शहर</p>		3X1=3
	<p>34.2 भारत के इसी राजनीतिक रेखा- मानचित्र पर, भारतीय आंदोलन से संबंधित दो केंद्रों को A और B से अंकित किया गया है। इनको पहचानिए और इनके सही नाम उनके निकट खिंची गई रेखाओं पर लिखिए।</p>		2X1=2

34.	<p>प्रश्न सं. 34 के लिए मानचित्र Map for Q. No. 34</p>		
34.	<p>नोट: निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थी के लिए संख्या 34 के स्थान पर है:</p> <p>34.1 वर्तमान हरियाणा राज्य से किसी एक हड़प्पा पुरास्थल का उल्लेख कीजिए।</p> <p>34.2 बाबर के शासन के अधीन रहे किसी एक शहर का नाम लिखिए।</p> <p>34.3 किसी एक मध्यकालीन शहर का उल्लेख कीजिए।</p> <p>34.4 भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के किन्हीं दो केंद्रों के नाम लिखिए।</p>		
(34.1)	राखीगढ़ी , बनवाली (कोई अन्य)	1	
(34.2)	पानीपत, आगरा ,दिल्ली (कोई अन्य)	1	
(34.3)	हम्पी, आगरा, सूरत (कोई अन्य)	1	
(34.4)	चंपारण, अमृतसर (कोई अन्य)	2	

